क्या मलेरिया अजेय हो जाएगा?

ऐसी आशंका व्यक्त की गई है कि यदि जादुई दवा आर्टिमिसिनीन मिश्रित औषधि का उपयोग न किया गया, तो अगले एक दशक के अन्दर मलेरिया पर काबू पाना मुश्किल हो जाएगा। यह चेतावनी विश्व बैंक और मैरीलैण्ड के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ ने दी है।

यह तो कई वर्षों से पता है कि मलेरिया परजीवी *प्लाज़्मोडियम* सामान्य रूप से उपयोग की जाने वाली दवाइयों का प्रतिरोधी होता जा रहा है। क्लोरोक्विन जैसी दवाइयां कई बार कारगर साबित नहीं होती हैं।

अब मलेरिया से लड़ाई में एकमात्र उम्मीद आर्टिमिसिनीन नामक नई औषधि पर टिकी है। आर्टिमिसिनीन एक वनस्पति से प्राप्त औषधि है और अब तक *प्लाज़्मोडियम* इसका प्रतिरोधी नहीं बना है। मगर यह दवा महंगी है - इसकी एक पूरी खुराक की कीमत करीब 50 रुपए होती है। एक सुझाव यह है कि आर्टिमिसिनीन का उपयोग अन्य दवाइयों के साथ मिश्रण के रूप में किया जाए। इस सुझाव के पीछे तर्क यह है कि देर सबेर *प्लाज़्मोडियम* आर्टिमिसिनीन का भी प्रतिरोधी बन जाएगा। इसलिए यदि इसका उपयोग मिश्रण के रूप में किया जाए, तो प्रतिरोध पैदा होने की समस्या नहीं आएगी। मगर आर्टिमिसिनीन मिश्रित उपचार की कीमत प्रति खुराक करीब 75 रुपए है।

विश्व बैंक की राय है कि इस मिश्रित दवाई पर सब्सिडी दी जानी चाहिए ताकि यह अधिक से अधिक लोगों को उपलब्ध कराई जा सके। मगर चिकित्सा विशेषज्ञों को लगता है कि यदि यह दवा सस्ती हो गई तो इसका

उपयोग मलेरिया के हर मरीज़ के लिए किया जाने लगेगा और फिर *प्लाज़्मोडियम* में प्रतिरोध ज़्यादा आसानी से विकसित हो जाएगा।

दूसरी ओर वाशिंगटन स्थित संस्था रिसोर्सेज़ फॉर दी फ्यूचर के रोग प्रसार वैज्ञानिक रमनन लक्ष्मीनारायण का मत है कि हमें दो स्थितियों के बीच चुनाव करना होगा। सब्सिडी देंगे तो प्रतिरोध की समस्या जल्दी सामने आएगी जबकि सब्सिडी नहीं देंगे, तो आर्टिमिसिनीन का उपयोग अगले 5-10 साल तक नहीं हो पाएगा।

लक्ष्मीनारायण व उनके साथियों ने आर्टिमिसिनीन मिश्रित औषधि पर सब्सिडी देने के असर का एक मॉडल तैयार किया है। इस मॉडल से निष्कर्ष निकलता है कि सब्सिडी देने से जो लाभ होंगे वे प्रतिरोध क्षमता विकसित होने के नुकसान से कहीं अधिक हैं। उनका मत है कि सब्सिडी देकर ज़्यादा लोगों का इलाज हो पाएगा और प्रतिरोध की समस्या से बचने के उपाय ढूंढने की गुंज़ाइश बनी रहेगी। अन्यथा हम कई वर्षों तक इस नई दवा का लाभ नहीं ले पाएंगे और इस बीच मलेरिया भयानक रूप धारण कर लेगा। ***(स्रोत फीचर्स)***